International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 12 Issue 11, November 2022,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal no: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

बाल विकास पर अभिभावक के आर्थिक स्थिति का प्रभाव

प्रो0 लक्ष्मेष्वर ठाकुर
अवकाश प्राप्त एसोसियेट प्रोफेसर
मनोविज्ञान,
बी.आर.अम्बेदकर बिहार विश्व विश्वविद्यालय,
मुजफ्फरपुर

ज्योति सिसोदिया
शोध छात्रा
मनोविज्ञान, समाज शास्त्र संकाय
बी.आर.अम्बेदकर बिहार विश्व विश्वविद्यालय,
मुजफ्फरपुर

भुमिका:

बाल विकास का जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। प्राचीन काल से लेकर आज तक यह महत्व का विशय रहा है। प्राचीन काल में सर्वांगिंग विकास हेतु गुरू अग्रिम का सहारा लिया जाता था लेकिन इस अत्याधुनिक युग में प्रत्येक माता–पिता या अभिभावक अपने बच्चों के संरक्षण एवं विकास के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं। बच्चों में जन्म के साथ ही शारीरिक विकास की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाती है। साथ ही मानसिक क्रियात्मक, ज्ञानात्मक, संवेगात्मक, शिक्षा, व्यक्त्वि एवं चरित्र का भी विकास प्रारम्भ हो जाता है। जो आगे चलकर सम्पूर्ण विकास के रूप में प्रकट होता है। इन सारे विकासों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से माता–पिता या अभिभावक की सक्रियता का निष्चित रूप से प्रभाव पड़ता है।

विकास के क्रम में बाल्यावस्था के बाद किशोरावस्था युवा एवं वृद्धावस्था यह जीवन क्रम अपनी धारा में गतिशील रहता है। ये अवस्थाये न तो एक दुसरी अवस्थाओं से पृथक विकास क्रम को अपनाती है और न एक दुसरे से सर्वथा स्वतंत्र ही है। वस्तु स्थिति तो यह है कि प्रत्येक अवस्था अपनी नीव पर आने वाली अवस्था में अपने गुण–दोषो को प्रत्यारोपित करते हुए उस क्रम को अग्रसारित करती है। बाल्यावस्था में अर्जित शील–गुण एवं अन्य विशेषताओं के आधार पर ही किशोरावस्था की व्यवहार प्रजातियों निर्धारित होती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किशोरावस्था में की व्यवहार प्रणालियों निर्धारित होती है। (फ्रायड) सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किशोरावस्था में निर्मित व्यवहार प्रणालियों, शील–गुणो, अभियोजन के तरीकों इत्यादि में, भावी जीवन में बहुत ही कम परिवर्त्तन दृश्टिगोचर होता है। ये ही विशेशताएॅअ धिकांशतिया सम्पूर्ण जीवन को प्रभावित करती रहती हें (सुयिान, 1973) इस तथ्य की ओर बहुत पूर्व से ही विचारको, समाजशास्त्रियों एवं

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 12 Issue 11, November 2022,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal no: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मनोवैज्ञानिकों का ध्यान आकृश्ट होता आया है। बच्चों के विकास बाल्यावस्था एवं किशोरावस्था के अभियोजन के विभिन्न पहलुओं तथा माता पिता के मनोवृत्ति के प्रभावों का विशद विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

अभिभावक बालक सम्बन्ध को देखने के लिए इस स्थाल पर आर्थिक स्थिति का चयन किया गया है। अर्थिक स्थिति का प्रभाव सभी समस्याओं पर पड़ता है। शोध अध्ययन प्रायोजनों के माता–पिता एंव अभिभावक के आर्थिक स्थिति पर आधारित है।

अभिभावक बालक सम्बन्ध के संदर्भ में हरलोक (1978) ने लिखा है कि ''जब कोई बालक अपने अभिभावकों की प्रत्याशा के अनुरूप नहीं बन पाता है तब उसकी अभिवृत्ति बालक के प्रति आलोचनात्मक दण्डात्मक हो जाती है। अभिभावक जब बच्चों के प्रति बेरूख और कम स्नेहपूर्ण हो जाते हैं तब प्रतिक्रीया स्वरूप बालक का व्यवहार भी अधिक नाकारात्मक और कष्टप्रद हो जाता है।

एम0पादेश (1955) ई0 एम0 जमाल (1965) एल0एस0 लेविस (1965) ने इस सम्बन्ध में स्पेस किया है कि अभिभावक एवं बालक के सम्बन्धों मे चौदह से पन्द्रह वर्श की उम्र में बिगाड़ चरम सीमा पर होता है। इस आयु में किशोरों का सम्बन्ध पिता की अपेक्षा मॉ से अधिक रहता है। इस सम्बन्धों पर उम्र के अनुसार व्यवहार करने पर अभिभावक –बालक सम्बन्ध मधुर हो सकते हैं।

<u>प्राकल्पनाः–</u>

वर्त्तमान अध्ययन के संदर्भ में यह प्रकाक्कल्पन स्थापित किया जाता है कि उच्च आय वर्ग के बालक–अभिभावक में मध्यम एवं निम्न आयवर्ग की बालक–अभिभावक की अपेक्षा अधिक अनुकुल सम्बन्ध पायी जायेगी।

क्षेत्रः– मुजफ्फरपुर जिला अन्तर्गत इन्टरमिडियेट स्तर में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के प्रतिदर्श पर अध्यन किया गया। ये सभी शहरी क्षेत्र से ही रखा गया है।

आर्थिक स्थिति का मापनः–

मासिक आर्थिक स्थिति को तीन भागों में विभक्त कर अध्ययन किया गया हैः–

(क) पन्द्रह हजार तक।

(ख) पन्द्रह से पच्चीस हजार तक।

(ग) पच्चीस हजार से उपर ।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 12 Issue 11, November 2022,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal no: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रयोज्यों को यह निर्देश दिया गया है कि उपर में क, ख, ग, में से जो भी आप पर लागू हो उस पर टिक चिन्ह लगा लें। इस प्रक्रिया से प्रयोज्यों से आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त कर मापार किया गया।

प्रतिदर्शः– इन्टर स्तर के तीन सौ छात्र एवं छात्राओं को प्रतिदर्श में रूप में सम्मिलित किया गया।

निश्कर्श :– प्रस्तुत अध्ययन में लिये गये प्रयोग्यों के माता पिता या अभिभावक के आर्थिक स्थिति कायापन करने के लिए व्यक्तिगत सूचना पत्र प्रेषित किया गया है। जिसमें प्रयोज्यों से उनकी आर्थिक स्थिति से सम्बन्धित प्रश्न पूछा गया हैः–

आपके माता–पिता या अभिभावक का मासिक आय क्या है ? (जो आप पर लागू हो उक्त चिन्ह लगाकर उत्तर दें।)

(क) पन्द्रह हजार तक।

(ख) पन्द्रह से पच्चीस हजार तक।

(ग) पच्चीस हजार से उपर ।

प्रयोज्यों को यह निर्देश दिया गया है कि उपर में क, ख, ग, में से जो भी आप पर लागू हो उस पर टिक चिन्ह लगा लें। इस प्रक्रिया से प्रयोज्यों के अभिभावक के आर्थिक स्थिति का मापन किया गया।

प्रयोज्यों के पारिवारिक आर्थिक स्थिति के मापन का यह उद्देष्य था कि वर्त्तमान समाज के सम्पन्न परिवार के सदस्यों का दृश्टिकोण व्यवहार प्रणाली तथा व्यक्तिगत संरचना निम्न परिवार के सदस्यों से सर्वथा भिन्न हुआ करता है। इसी दृश्टिकोण को ध्यान में रखकर आर्थिक स्थिति का मापन किया गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 12 Issue 11, November 2022,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal no: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारिणी संख्या – 48

स्वीकारी पितृत्व एवम आर्थिक समूहो से प्राप्त प्राप्तांको का तुलनात्मक विश्लेषणः–

समूह	संख्या	मध्यमान	प्राथमिक विचलन	प्राथमिक विचल की त्रुटि	टी अनुपात	सार्थकता स्तर
उच्च आर्थिक	100	14.58	2.16	.432	क ख 6.387	.01
मध्यम आर्थिक	100	9.26	3.59	.713	ख ग 3.394	.01
निम्न आर्थिक	100	5.14	4.92	.983	क ग 8.589	.01

सारिणी संख्या 48 में वर्णित तीनों ही समुहों के आर्थिक स्थिति के स्वीकारी पितृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। सांख्यिकीय परिणामों के तुलनात्मक विश्लेषण से यह स्पश्ट हो रहा है कि उच्च आर्थिक स्थिति के स्वीकारी पितृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 14.58 तथा प्रमाणिक विचलन 2.16 पाया गया है जबकि मध्यम आर्थिक स्थिति के स्वीकारी पितृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 9.26 तथा प्रमाणिक विचलन 3.59 पाया गया है। दोनो ही समूहो से प्राप्त टी0अनुपात 6.387 पाया गया है। मध्यम आर्थिक स्थिति के स्वीकारी पितृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 9. 26 तथा प्रमाणिक विचलन 3.59 पाया गया है। जबकि निम्न आर्थिक स्थिति के स्वीकारी पितृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 5.14 तथा प्रमाणिक विचसन 4.92 पाया गया है। दोनो ही समूहो से प्राप्त टी0 अनुपात 3.394 पाया गया है। उच्च आर्थिक स्थिति के स्वीकारी पितृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 14.58 तथा प्रमाणिक विचलन 2.16 पाया गया है जबकि निम्न आर्थिक स्थिति के स्वीकारी पितृत्व के अभिभावक बालक से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 5.14 तथा प्रमापणिक विचलन 4.92 पाया गया है। दोनो ही समूहो से प्रापत टी0 अनुपात 8.589 पाया गया है। तीनों ही समूहो से प्राप्त डी0 एफ0 क्रमशः 198 के लिए .01 स्तर पर सार्थक सम्बन्ध प्रमाणित होता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 12 Issue 11, November 2022,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal no: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारिणी संख्या – 43

स्वीकारी मातृत्व एवम आर्थिक समूहो से प्राप्त प्राप्तांको का तुलनात्मक विश्लेषणः–

समूह	संख्या	मध्यमान	प्राथमिक विचलन	प्राथमिक विचल की त्रुटि	टी अनुपात	सार्थकता स्तर
उच्च आर्थिक	100	14.42	2.183	.436	क ख 7.301	.01
मध्यम आर्थिक	100	8.9	3.055	.618	ख ग 4.183	.01
निम्न आर्थिक	100	5.14	2.933	.586	क ग 11.672	.01

सारिणी संख्या 43 में वर्णित तीनों ही समुहों के आर्थिक स्थिति के स्वीकारी मातृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। सांख्यिकीय परिणामों के तुलात्मक विश्लेषण से यह स्पश्ट हो रहा है कि उच्च आर्थिक स्थिति के स्वीकारी मातृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 14.42 तथा प्रमाणिक विचलन 2.183 पाया गया है जबकि मध्यम आर्थिक स्थिति के स्वीकारी मातृत्व के अभिभावक –बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्य मान 8.9 तथा प्रमाणिक बचरपन 3. 055 पाया गया है। दोनो ही समूहों से प्राप्त टी0 अनुपात 7.301 पाया गया है। मध्यम आर्थिक स्थिति के स्वीकारी मातृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 8.9 तथा प्रमाणिक विलसन 3.055 पाया गया है जबकि निम्न आर्थिक स्थिति के स्वीकारी मातृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 5.14 तथा प्रमाणिक विचरपन 2.933 पाया गया है। दोनो ही समूहो से प्राप्त टी0 अनुपात 4.183 पाया गया है। उक्त आर्थिक स्थिति के स्वीकारी मातृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 14.42 तथा प्रमाणिक बवचलन 2.183 पाया गया है जबकि निम्न आर्थिक स्थितिके स्वीकारी मातृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 5.14 तथा प्रताणिक विचलन 2.933 पाया गया है। दोनो ही समुहो से प्राप्त टी0 अनुपात 11.672 पाया गया है। तीनो ही समूहों के आर्थिक स्थिति के स्वीकारी मातृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध के तुलनात्मक विश्लेषण के आधार पर प्राप्त डी0 एफ0 क्रमशः 198 के लिए .01 स्तर पर सार्थक सम्बन्ध प्रमाणित होता है। आर्थिक स्थिति का प्रभाव बालक अभिभावक सम्बन्ध पर पड़ता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 12 Issue 11, November 2022,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal no: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारिणी संख्या–44

एकाग्री पितृत्व एवम् आर्थिक समूहो से प्राप्त प्राप्तांको का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	संख्या	मध्यमान	प्राथमिक विचलन	प्राथमिक विचल की त्रुटि	टी अनुपात	सार्थकता स्तर
उच्च आर्थिक	100	14.12	2.227	.445	क ख 6. 361	.01
मध्यम आर्थिक	100	9.66	2.353	.474	ख ग 7. 119	.01
निम्न आर्थिक	100	5.46	1.76	.357	क ग 15.3	.01

सारिणी संख्या चौवालीस में वर्णित तीनों ही समूहो के आर्थिक स्थिति के एकाग्री पितृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। सांख्यिकीय पटियासों के तुलनात्मक विश्लेषण से यह स्पश्ट हो रहा है कि उच्च आर्थिक स्थिति के एकाग्री पितृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 14. 12 तथा प्रमाणिक विचलन 2.227 पाया गया है। जबकि मध्यम आर्थिक स्थिति के एकाग्री पितृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 9.66 तथा प्रमाणिक विचलन 2.353 पाया गया है। दोनो ही समुहो से प्राप्त टी0 अनुपात 6.361 पाया गया है। मध्यम आर्थिक स्थिति के एकाग्रीपितृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 9.66 तथा प्रमाणिक विचलन 2.353 पाया गया है जबकि निम्न आर्थिक स्थिति के के एकाग्री पितृत्व और अभिभावक बालक से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 5.46 तथा प्रमाणिक विचल 1.76 पाया गया है। दोनो ही समूहो से प्राप्त टी0अनुपात 7.119 पाया गया है। उच्च आर्थिक स्थिति के एकाग्री पितृत्व और अभिभावक बालक से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 14.12 तथा प्रमाणिक विचलन 2.227 पाया गया है जबकि निम्न आर्थिक स्थिति को एकाग्री पितृत्व तथा अभिभावक बालक से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 5.46 तथा प्रमाणिक विचलन 1.76 पाया गया है। दोनो ही समूह से प्राप्त टी0 अनुपात 15.3 पाया गया है। तीनो ही आर्थिक स्थिति से प्रापत प्राप्तांको का डी0एफ0 198 के लिए .01 स्तर पर सार्थक सम्बन्ध प्रमाणित होता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 12 Issue 11, November 2022,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal no: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारिणी संख्या–45

एकाग्री पितृत्व एवम् आर्थिक समूहो से प्राप्त प्राप्तांको का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	संख्या	मध्यमान	प्राथमिक विचलन	प्राथमिक विचल की त्रुटि	टी अनुपात	सार्थकता स्तर
उच्च आर्थिक	100	14.46	2.364	.472	क ख 9.00	.01
मध्यम आर्थिक	100	8.7	2.168	.433	ख ग 5.517	.01
निम्न आर्थिक	100	5.34	2.130	.426	क ग 14. 362	.01

सारिणी संख्या पैतालीस में वर्णित तीनों ही समूहो के आर्थिक स्थिति के एकाग्री मातृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। सांख्यिकीय परिणामों के तुलनात्मक विश्लेषण से यह स्पश्ट हो रहा है कि उच्च आर्थिक स्थिति के एकाग्री मातृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 14. 46 तथा प्रमाणिक विचलन 2.364 पाया गया है। जबकि मध्यम आर्थिक स्थिति के एकाग्री मातृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 8.7 तथा प्रमाणिक विचलन 2.168 पाया गया है। दोनो ही समुहो से प्राप्त टी0 अनुपात 9.00 पाया गया है। मध्यम आर्थिक स्थिति के एकाग्री मातृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 8.7 तथा प्रमाणिक विचलन 2.168 पाया गया है जबकि निम्न आर्थिक स्थिति के एकाग्री मातृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 5.34 तथा प्रमाणिक विचलन 2.130 पाया गया है। दोनो ही समूहो से प्राप्त प्राप्तांको का टी0अनुपात 14.362 पाया गया है। तीनों ही आर्थिक समूहों के डी0एफ0 क्रमशः पृथक पृथक 198 निर्धारित हुआ है। सार्थकता स्तर .01 पर प्राप्त परिणाम् सत्यापित होता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 12 Issue 11, November 2022,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal no: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारिणी संख्या–46

एकाग्री पितृत्व एवम् आर्थिक समूहो से प्राप्त प्राप्तांको का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	संख्या	मध्यमान	प्राथमिक विचलन	प्राथमिक विचल की त्रुटि	टी अनुपात	सार्थकता स्तर
उच्च आर्थिक	100	14.66	1.727	1.345	क ख 9.733	.01
मध्यम आर्थिक	100	8.82	2.457	.491	ख ग 4.795	.01
निम्न आर्थिक	100	5.66	2.03	.44	क ग 16. 10	.01

सारिणी संख्या छेयालीस में वर्णित तीनों ही समूहो के आर्थिक स्थिति के परिहारी पितृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। सांख्यिकीय परिणामों के तुलनात्मक विश्लेषण से यह स्पश्ट हो रहा है कि उच्च आर्थिक स्थिति के परिहारी पितृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 14.66 तथा प्रमाणिक विचलन 1.727 पाया गया है। जबकि मध्यम आर्थिक स्थिति के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 8.82 तथा प्रमाणिक विचलन 2. 457 पाया गया है। दोनो ही समुहो से प्राप्त टी0 अनुपात 9.733 पाया गया है। मध्यम आर्थिक स्थिति के परिहारी पितृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 8.82 तथा प्रमाणिक विचलन 2.457 पाया गया है जबकि निम्न आर्थिक स्थिति के परिहारी पितृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 5.66 तथा प्रमाणिक विचलन 2.03 पाया गया है। दोनो ही समूहो से प्राप्त प्राप्तांको का टी0अनुपात 4. 795 पाया गया है। उच्च आर्थिक स्थिति के परिहारी पितृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्रापत प्राप्तांको का मध्यमान 14.66 तथा प्रमाणिक विचलन 1.727 पाया गया है जबकि निम्न आर्थिक स्थिति के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 5.66 तथा प्रमाणिक विचलन 2.03 पाया गया है। दोनो ही समूहो से प्राप्त टी अनुपात 16.10 पाया गया है। तीनों ही समूहों के आर्थिक स्थिति और परिहारी पितृत्व के आधार पर निर्धारित डी0एफ0 198 के लिए .01 स्तर पर सार्थक सम्बन्ध सत्यापित होता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 12 Issue 11, November 2022,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal no: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारिणी संख्या–47

एकाग्री मातृत्व एवम् आर्थिक समूहो से प्राप्त प्राप्तांको का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	संख्या	मध्यमान	प्राथमिक विचलन	प्राथमिक विचल की त्रुटि	टी अनुपात	सार्थकता स्तर
उच्च आर्थिक	100	13.94	1.649	.329	क ख 8.312	.01
मध्यम आर्थिक	100	9.26	2.289	.457	ख ग 5.521	.01
निम्न आर्थिक	100	5.34	2.72	.544	क ग 13. 511	.01

सारिणी संख्या सैतालीस में वर्णित तीनों ही समूहो के आर्थिक स्थिति के परिहारी मातृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। सांख्यिकीय परिणामों के तुलनात्मक विश्लेषण से यह स्पश्ट हो रहा है कि उच्च आर्थिक स्थिति के परिहारी मातृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 13.94 तथा प्रमाणिक विचलन 1.649 पाया गया है। जबकि मध्यम आर्थिक स्थिति के परिहारी मातृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 9.26 तथा प्रमाणिक विचलन 2.289 पाया गया है। दोनो ही समुहो के आधार पर प्राप्त टी0 अनुपात 8. 312 पाया गया है। मध्यम आर्थिक स्थिति के परिहारी मातृत्व के अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 9.26 तथा प्रमाणिक विचलन 2.289 पाया गया है जबकि निम्न आर्थिक स्थिति के परिहारी मातृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 5.34 तथा प्रमाणिक विचलन 2.72 पाया गया है। दोनो ही समूहो से प्राप्त प्राप्तांको का टी0अनुपात 5.521 पाया गया है। उच्च आर्थिक स्थिति के परिहारी मातृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्रापत प्राप्तांको का मध्यमान 13.94 तथा प्रमाणिक विचलन 1. 649 पाया गया है जबकि निम्न आर्थिक स्थिति के परिहारी मातृत्व और अभिभावक बालक सम्बन्ध से प्राप्त प्राप्तांको का मध्यमान 5.34 तथा प्रमाणिक विचलन 2.72 पाया गया है। दोनो ही समूहो से प्राप्त टी अनुपात 13.511 पाया गया है। जो डी0एफ0 198 के लिए क्रमशः 01 स्तर पर सार्थक सम्बन्ध को सत्यापित करता है।

शैक्षणिक स्तर और स्वानुभूत अभिभावकत्वः–

माता–पिता अभिभावक के शैक्षणिक स्तर का प्रभाव बच्चों के साथ सम्बन्ध के निर्धारक तत्व के रूप में माना गया है। शिक्षित मातापिता अपने बच्चो की अस्यतन शैक्षणिक उपलब्धियों से पूर्ण परिचित रखना चाहते हैं।

माता–पिता के शैक्षणिक स्तर को मापने के लिए व्यक्तिगत सूचना पत्र में एक प्रश्न पूछा गया है। आपके माता–पिता का शैक्षणिक स्तर क्या है ? जो आपके उपर लागू हो टिक चिन्ह लगाकर उत्तर दें।

REFERENCE

Andersons H.H. & Brewer J.E. (1946)		"Effect of Teacher's Dominative and Integrative contacts on children's Classroom Behavour, Applied Psychology Monographs, No.-8, 1946
Adler, A (1980)		Individual Psychology, in (ed) Murchison, C, The Psychologies of 1930, Worcester, Mass: Clark University Press
Amato, Paul R, (1987)		(Australian Inst. of family studies, Melbourne, Viet, Australia Maternal, Employment; Effects on children's family r elationships and development, Australian Journal of Sex, Marriage & Family, (Fb.)
Biaggio, Angela (1979)		Maternal and Pear Correslates of moral Judgement of Brazilian Boys, Dec Vol. 135 (2)
Brogan, Catherine L (1972)		(Smith Coll. School for social work) changing perspectives on the role of women. Smith college studies in social work (Feb.) Vol. 42(2)
Brown, F.J. (1954)		Educational Psychology, 2nd ed. Newyork, Pcentice – Hall
Cameron, James R.(1978)		Parental treatment, Children's temperament, and the risk of childhood behavioral problems.
Cattel R.B. & Eber H.W. (1962)		Manula for Sixteen personality factors Qestionnaire, Institute for Personality a

		ability testing Champaign Illiniols.
Eysenck H.J. (1959)		The Manual of the Maudsley Personality Inventory London: University of London Press.
Garettee, H.E. (1955)		Satisfaction a Psychology and Education (Fourth Edition) Longman, Green & Co. New York.
Goode, W.S. & Hatt. P.K. (1952)		Methods in Social Research new york Mc Grow Hill
Jackowska, Ewa (1977)		Educational Function of the family of the socially adjusted child. Psychology a Wychowez, Sep – Oct. Vol.-20 (4)
Miller, Scott A (1986)		Parents beliefs about their childrens cognitive abilities. Developmental Psychology, (Mar), Vol 22 (2)
Paimer, Sylvia & Cochren, Larry (1988)		Parents as Agent of career development, Journal of Counselling Psychology, (Jan) voll. 35